परीक्षा की योजना एवं पाठ्यक्रम- माध्यमिक शिक्षक (विषय शिक्षक)

1. सभी प्रश्न अनिवार्य होंगें ।
2. पात्रता परीक्षा हेतु 150 अंकों का एक प्रश्नपत्र होगा। परीक्षा की अवधि 2:30 घंटे होगी।
3. पात्रता परीक्षा के सभी प्रश्न बहुविकल्पीय (MCQ) प्रकार के होंगे, जिनके चार विकल्प होंगे एक विकल्प सही होगा।
4. प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। ऋणात्मक मूल्यांकन होगा। प्रति 4 प्रश्नों के गलत उत्तर पर 1 अंक काटा जाएगा।
5. प्रष्नपत्र के दो भाग होंगें। भाग अ एवं भाग ब । भाग अ, सभी के लिए अनिवार्य होगा भाग ब के अंतर्गत शामिल विषयो में से किसी एक विषय का चयन करना होगा ।
6. भाग अ के 4 खंड होंगें जिनमें अंकों का अधिभार निम्नानुसार होगा-

भाग	विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक
(i)	सामान्य हिन्दी	08 MCQ	08 Marks
(ii)	सामान्य अंग्रेजी	05 MCQ	05 Marks
(iii)	सामान्य ज्ञान व समसामयिक घटनाक्रम, तार्किक एवं आंकिक योग्यता	07 MCQ	07 Marks
(iv)	शिक्षाशास्त्र(Pedagogy)	10 MCQ	10 Marks
	कुल	30 MCQ	30 Marks

7. भाग ब- 120 अंक का होगा एवं इस प्रश्नपत्र में120 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जायेंगें। प्रश्नपत्रके अंतर्गत 7 विषय नीचे तालिका में दिए अनुसार होंगें, जिसमें से अभ्यर्थी अपने स्नातक उपाधि के मुख्य विषय में ही परीक्षा में सम्मिलित हो सकेगा।

क्र.	विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक
1	हिन्दी भाषा	120प्रश्न	120 अंक
2	अंग्रेजी भाषा	120प्रश्न	120 अंक
3	संस्कृत भाषा	120प्रश्न	120 अंक
4	उर्दू भाषा	120प्रश्न	120 अंक
5	गणित	120प्रश्न	120 अंक
6	विज्ञान	120प्रश्न	120 अंक
7	सामाजिक विज्ञान	120प्रश्न	120 अंक

8. विषयवस्तु का स्तर

- प्रश्नपत्र के भाग अ में सामान्य ज्ञान व समसायिक घटनाक्रम, तार्किक एवं आंकिक योग्यता, पेडागाजी की विषयवस्तु का स्तर हायर सेकेण्डरी स्कूल स्तर के छात्र के मानसिक स्तर के समकक्ष होगा । हिन्दी व अंग्रेजी की विषयवस्तु का स्तर हायर सेकेण्डरी स्कूल परीक्षा के समकक्ष होगा।
- प्रश्नपत्र के भाग ब की विषयवस्तु का स्तर स्नातक स्तर के समकक्ष होगा। इस प्रश्नपत्र में प्रश्न म.प्र. राज्य के कक्षा 9 एवं 10 के प्रचलित पाठ्यक्रम की विषयवस्तु पर आधारित होगें लेकिन इनका कठिनाई स्तर एवं संबद्धता (लिंकेज) स्नातक स्तर का होगा । प्रश्नपत्र की अवधारणा, समस्या समाधान और पेडागाजी की समझ पर आधारित होगें।

आयुक्त
लोक शिक्षण

आयुक्त
जनजातीय कार्य

हिन्दी भाषा (Hindi Language)	8 प्रश्न

भाषायी समझ अवबोध-

भाषायी समझ/अवबोध के लिए दो अपठित दिए जाएँ जिसमें एक गद्यांश (नाटक एकांकी/घटना/निबंध/कहानी/आदि से) तथा दूसरा अपठित पद्य के रूप में हो इस अपठित में से समझ / अवबोध, व्याख्या, व्याकरण एवं मौखिक योग्यता से संबंधित प्रश्न किए जाएं। गद्यांश साहित्यिक/वैज्ञानिक/ सामाजिक समरसता/ तात्कालिक घटनाओं पर आधारित हो सकते हैं।

अंग्रेजी भाषा (English Language)	5 प्रश्न

1. Reading Comprehension
   - Two short passages followed by short answer type questions.
2. Vocabulary - (Level-X standard)
   - One word substitution
   - Opposites
   - Synonyms phrases
   - idioms/proverbs
3. Functional Grammar : - (Level-X standard)
   - Articles
   - Modals
   - Determiners
   - Noun/ Pronoun
   - Adjective/Adverb
   - Narration
   - Prepositions
   - Tenses
   - Transformation of sentences
   - Voices

सामान्य ज्ञान व समसामयिक घटनाक्रम, तार्किक एवं आंकिक योग्यता	7 प्रश्न

सामान्य ज्ञान व समसामयिक घटनाक्रम (General Knowledge & Current Affairs) समसामयिक मामले/राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय महत्व की घटनाएं, भारत का इतिहास व भारत के राष्ट्रीय आंदोलन, भारतीय व संसार का भूगोल भारत व संसार का भौतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल आदि भारतीय राजनीति व शासन तंत्र-संविधान, राजनीतिक तंत्र, पंचायतीराज, सार्वजनिक मुद्दे, धाराएं व अधिकार आदि। आर्थिक व सामाजिक विकास - सतत विकास, गरीबी, समावेशन, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्रों में पहले आदि। पर्यावरण, पारिस्थितिकी, जैवविविधता, मौसम में बदलाव, सामान्य विज्ञान आधारित सामान्य मुद्दे भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय खेलकूद, मध्यप्रदेश का इतिहास, भूगोल व राजनीति। मध्यप्रदेश का आर्थिक व सामाजिक विकास।

Current Affairs/events of national and international Importance, History of India and Indian National Movements, Indian and World Geography- Physical, Social, Economic geography of India and the World etc. Indian Polity and Governance Constitution, Political System, Panchayati Raj, Public Issues, Articles, Rights etc. Economic and Social development, Poverty, Inclusion, Demographics, Social Sector initiatives etc- General issues on Environment, Ecology, Biodiversity, Climate change, General science- Indian culture, national and international, sports, History, geography, and political science of Madhya Pradesh, economic and social development of Madhya Pradesh.

2. तार्किक एवं आंकिक योग्यता Reasoning and Numerical Ability

अ. तार्किक योग्यता- सामान्य मानसिक व विश्लेषणात्मक योग्यता, शाब्दिक/तर्कयुक्त रीजनिंग, संबंध व पदानुक्रम, एनालॉजी, दावा, सत्य कथन, कोडिंग व डिकोडिंग,स्थिति जन्य तर्क, श्रृंखलाव पैटर्न जिसमें शब्द और वर्ण शामिल हो।

ब. आंकिक योग्यता दो एवं तीन आयामी वेन आरेख आधारित प्रश्न संख्या पैटर्न, श्रंखला अनुक्रम, संख्याओं संबंधी आधारभूत ज्ञान (संख्याएं और उनके संबंध, परिमाण का क्रम आदि), अंकगणितीय अभिवृत्ति, आंकड़ों की व्याख्या (आलेख, ग्राफ, तालिका, आंकड़ों की पर्याप्तता, आदि), विभिन्न संदर्भों में दिशा ज्ञान, विश्लेषण व व्याख्या ।

A) Reasoning Ability - General Mental/ Analytical Ability, Verbal / Logical reasoning, Relations & Hierarchies, Analogies, Assertion, Truth Statements, Coding & Decoding, Situational Reasoning, Series & Patterns involving words& Alphabets.

B) Numerical ability – Two and Three dimensional/ Venn diagrams based questions, number patterns series sequences, basic numeracy (numbers and their relations, order of magnitude etc.), Arithmetic aptitude data interpretation (Charts, Graphs or Tables data sufficiency etc.), Direction sense, Analysis and interpretation in various contexts.

बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र - 10 प्रश्न

- बाल विकास की अवधारणा एवं इसका अधिगम से संबंध ।
- विकास और विकास को प्रभावित करने वाले कारक ।
- बाल विकास के सिद्धांत।
- बालक का मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यवहार संबंधी समस्याएं।
- वंशानुक्रम एवं वातावरण का प्रभाव।
- समाजीकरण प्रक्रियाएं सामाजिक जगत एवं बच्चे (शिक्षक, अभिभावक, साथी)
- पियाजे, पावलव, कोहलर और थार्नडाइकः रचना एवं आलोचनात्मक स्वरूप।
- बाल केन्द्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा ।
- बुद्धि की रचना का आलोचनात्मक स्वरूप और उसका मापन, बहुआयामी बुद्धि।
- व्यक्तित्व और उसका मापन।
- भाषा और विचार।
- सामाजिक निर्माण के रूप में जेंडर, जेंडर की भूमिका, लिंगभेद और शैक्षिक प्रथाएं।
- अधिगम कर्ताओं में व्यक्तिगत भिन्नताएं, भाषा, जाति, लिंग, संप्रदाय, धर्म आदि की विषमताओं पर आधारित भिन्नताओं की समझ।
- अधिगम के लिए आंकलन और अधिगम का आंकलन में अंतर, शाला आधारित आंकलन, सतत एवं समग्र मूल्यांकनः स्वरुप और प्रथाएं (मान्यताएं)

अधिगम और शिक्षा शास्त्र (पेडागाजी)

- बच्चे कैसे सोचते और सीखते हैं, बच्चे शाला प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में क्यों और कैसे असफल होते हैं।
- शिक्षण और अधिगम की मूलभूत प्रक्रियाए, बच्चों के अधिगम की रणनीतियों, अधिगम एक सामाजिक प्रक्रिया के रूप में, अधिगम का सामाजिक संदर्भ।
- समस्या समाधानकर्ता और वैज्ञानिक- अन्वेषक के रूप में बच्चा । बच्चों में अधिगम की वैकल्पिक धारणाएं, बच्चों की त्रुटियों को अधिगम प्रक्रिया में सार्थक कड़ी के रूप में समझना। अधिगम को प्रभावित करने वाले कारकः अवधान और रूचि ।
- संज्ञान और संवेग
- अभिप्रेरणा और अधिगम
- अधिगम में योगदान देने वाले कारक व्यक्तिगत और पर्यावरणीय
- निर्देशन एवं परामर्श
- अभिक्षमता और उसका मापन) स्मृति और विस्मृति समावेशित शिक्षा की अवधारणा एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की समझ
- अलाभान्वित एवं वंचित वर्गों सहित विविध पृष्ठभूमियों के अधिगमकर्ताओं की पहचान
- अधिगम कठिनाइयों, क्षति आदि से ग्रस्त बच्चों की आवश्यकताओं की पहचान ।
- प्रतिभावान, सृजनात्मक, विशेष क्षमता वाले अधिगतकर्त्ताओं की पहचान।
- समस्याग्रस्त बालकः पहचान एवं निदानात्मक पक्ष ।
- बाल अपराधः कारण एवं प्रकार

गणित (Mathematics)	120 प्रश्न

(अ) विषयवस्तु (content)

1. संख्या पद्धति-
   - प्राकृत संख्या,पूर्ण संख्या एवं पूर्णांक की पहचान एवं समझ यूक्ति विभाजन प्रमेयिका
   - परिमेय संख्या की समझ एवं इन पर संक्रियाएँ, अपरिमेय संख्याए
   - घातांक एवं परिमेय घातांको के लिए घातांक के नियमों का अनुप्रयोग
   - बहुपद एवं परिमेय व्यंजक
2. बीजगणित-
   - बीजीय व्यंजक एवं इन पर संक्रियाएँ

- अनुपात समानुपात,एकिक नियम,प्रतिशत,अनुक्रमानुपाती तथा व्युत्क्रमानुपाती विचरण,चक्रवृद्धि ब्याज
- अनुपात समानुपात,किस्त,लघुगणक
- एक चर राशि का एक घातीय समीकरण
- दो चर राशियों का रैखिक समीकरण,रैखिक समीकरण को हल करने की बीजगणितीय विधि

3. ज्यामिति-
   - मूल ज्यामितीय अवधारणाएँ क्षेत्रफल
   - त्रिभुज के गुणधर्म,पाइथागोरस प्रमेय
   - कोण
   - सममिति की अवधारणा
   - वृत्त
   - समरूप त्रिभुज
4. त्रकोणमिति
s त्रिकोणमिति का परिचय एवं अनुप्रयोग
5. रचनाएँ-
   - त्रिभुज की रचना रेखाखंड का विभाजन
   - चतुर्भुज की रचना
6. क्षेत्रमिति-
   - आयाताकार पथ का क्षेत्रफल
   - पृष्ठीय क्षेत्रफल और आयतन
   - वृत्त का क्षेत्रफल द्विघात समीकरण ,समांतर श्रेणियॉ
7. सांख्यिकी
   - दण्ड आलेख
   - आयात चित्र
   - माध्य,माध्यिका,बहुलक की गणना
   - आवृत्ति संचयी आवृत्ति वृत्त चित्र,आवृत्ति बहुभुज खीचना
8. ब्रह्माण्ड
9. मापन- समय, ताप, लम्बाई, क्षेत्रफल, आयतन द्रव्यमान का मापन।
10. पदार्थ-पदार्थ की अवस्थाएँ, पदार्थ के गुण, पदार्थों की पृथक्करण की विधियाँ, धातु-अधातु, अणु परमाणु, तत्व, यौगिक और मिश्रण, रासायनिक संकेत, सूत्र एवं समीकरण, अम्ल, क्षार, लवण एवं उनके गुण
11. बल, गति एवं दाब
12. कार्य ऊर्जा और मशीन
13. ताप एवं उष्मा

ब) Pedagogical issues
- गणित शिक्षण द्वारा चिंतन एवं तर्कशक्ति का विकास
- पाठ्यक्रम में गणित का स्थान
- गणित की भाषा
- प्रभावी शिक्षण हेतु परिवेश आधारित उपयुक्त शैक्षणिक सहायक सामग्री का निर्माण एवं उसका उपयोग करने की क्षमता का विकास करना।
- मूल्यांकन की नवीन विधियों तथा निदानात्मक परीक्षण एवं पुनः शिक्षण की क्षमता का विकास।

विज्ञान (science)	120 प्रश्न

(अ) विषयवस्तु (content)

1. ब्रह्माण्ड
2. मापन- समय, ताप, लम्बाई, क्षेत्रफल, आयतन द्रव्यमान का मापन
3. पदार्थ पदार्थ की अवस्थाएँ, पदार्थ के गुण, पदार्थों की पृथक्करण की विधियों, धातु-अधातु, अणु परमाणु, तत्व, यौगिक और मिश्रण, रासायनिक संकेत, सूत्र एवं समीकरण, अम्ल, क्षार, लवण एवं उनके गुण
4. भोजन एवं स्वास्थ्य- भोजन के स्त्रोत, भोजन के घटक, भोज्य पदार्थों का संरक्षण, भोजन एवं स्वास्थ्य पादप एवं प्राणियों में संरचनात्मक संगठन
5. सजीव जगत- वर्गीकरण, संरचना, जैविक प्रक्रियाएँ अनुकूलन, जैव उत्पत्ति मानव शरीर विज्ञान, शरीर क्रियात्मकता कोशिका, संरचना एवं कई अनुवांशिक तथा विकास

6. बल, गति एवं दाब
7. कार्य ऊर्जा और मशीन
8. ताप एवं उष्मा
9. हमारे आसपास का वातावरण भौतिक और रासायनिक परिवर्तन, कार्बन-अपररूप, हाइड्रोकार्बन
10. प्राकृतिक घटनाएँ- प्रकाश, ध्वनि
11. वस्तुएँ कैसे काम करती है- चुम्बक, विदयुत एवं विद्युत धारा
12.प्राकृतिक संसाधन
13. खाद्य उत्पादन और प्रबंधन
14.पर्यावरण

ब) Pedagogical issues

- विज्ञान के उद्देश्य
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना ।
- महत्वपूर्ण वैज्ञानिक तथ्यों और सिद्धान्तों से अवगत कराना।
- विज्ञान संबंधी विभिन्न कौशलों का विकास करना।
- अवलोकन, प्रयोग करना, खोज।
- विज्ञान विषय संबंधी नवीनतम जानकारी प्रदान करना।
- प्रभावी शिक्षण हेतु परिवेश आधारित उपयुक्त शैक्षणिक सहायक सामग्री का निर्माण एवं उसका उपयोग करने की क्षमता का विकास करना।
- मूल्यांकन की नवीन विधियों तथा निदानात्मक परीक्षण एवं पुनः शिक्षण की क्षमता का विकास।

सामाजिक विज्ञान (Social Science)	120 प्रश्न

(अ) विषयवस्तु

- इतिहास
- इतिहास जानने के स्त्रोत, आदिमानव का विकास व पाषाणकाल हडप्पा व वैदिककालीन सभ्यता, जैन व बौद्ध धर्म मौर्य, गुप्त व हर्षकाल, विदेशों से सम्पर्क व भारत के संबंध तथा सामाजिक व आर्थिक जीवन पर उसका प्रभाव।
- मध्यस्थतः का प्रारम्भ व इतिहास जानने के संगीत, मौहम्मद गौरी व मूहम्मद गजनवी के आक्रमण, दिल्ली सल्तनत- खिलजी वंश, तुगलक वंश व लोदी वंश के संदर्भ में, सल्तनतकालीन सामाजिक, धार्मिक व आर्थिक स्थिति। मुगलकाल का संक्षिप्त परिचय (प्रमुख शासक, सामाजिक, आर्थिक व धार्मिक जीवन तथा संगीत, चित्रकला व वास्तुकला) मुगलकाल का पतनः । विजयनगर एवं बहमनी साम्राज्य मराठा व सिक्ख शक्ति का उदय ।
- भारत में यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियों का आगमन, सत्ता के लिए उनके आपसी संघर्ष ब्रिटिश कम्पनी की सफलता व साम्राज्य विस्तार, 1857 का स्वतंत्रता संग्रामा धार्मिक सामाजिक पुनर्जागरण भारतीय राष्ट्रीय कार्यस की स्थापना, उद्देश्य संघर्ष व महत्व, उदारवाद एवं अनुदारवाद, राष्ट्रीय आन्दोलन असहयोग, सविनय अवज्ञा, भारत छोड़ो आन्दोलन राष्ट्रीय आन्दोलन में क्रांतिकारियों का योगदाना स्वतंत्रता प्राप्ति एवं विभाजना स्वतंत्रता आन्दोलन मेंम.प्र. का योगदान।
- स्वातंत्रोतर भारत की प्रमुख घटनाए- कामौर समस्या, 1962 का चीन युद्ध, 1965 एवं 1971 काभारत पाक युद्ध, भारत में आपातकाल, भारत का अधिक शक्ति के रूप में उदय
- नागरिक शास्त्र
- परिवार, समाज, समुदाय, राष्ट्रीय प्रतीक, स्थानीय स्वशासन (ग्रामीण व नगरीय संस्थाए)
- भारतीय संविधान विशेषताएँ नागरिक के मौलिक अधिकार एवं कर्त्तव्य, बाल एवं मानव अधिकार, मानव अधिकार आयोग संघीय व्यवस्थापिका लोकसभा, राज्य सभा, संघीय कार्यपालिका राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, मंत्रि परिषद सर्वोच्च व उच्च न्यायालय गठन शक्तियाँ, (कार्य राज्य सरकार राज्यपाल एवं राज्य मंत्रिपरिषद निर्वाचन आयोग कार्य एवं शक्तियाँ निर्वाचन की क्रिया।
- प्रजातंत्र कार्यप्रणाली, प्रजातंत्र में राजनीतिक दलों का महत्व और कार्य
- प्रजातंत्र की प्रमुख चुनौतिया निरक्षरता, सम्प्रदायवाद क्षेत्रवाद बेरोजगारी आतंकवाद, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, संवैधानिक संरक्षण भारत की विदेश नीति व पड़ोसी देशों से संबंध, संयुक्त राष्ट्र और भारत का योगदान
- भूगोल
- सौरमंडल, अंक्षाश व देशान्तर रेखाएं, ग्लोब व मानचित्र
- स्थलमंडल पृथ्वी की गतियां ऋत् परिवर्तन परिवर्तनकारी बाहय व आन्तरिक शक्तियां व उनके कार्य। मृदा संरक्षण
- वायुमंडल वायुमंडल का संगठन, वायुदाब |

- जलमंडल लहरे, धाराएं ज्वार-भाटा, वर्षा प्रमुख महासागर |
- भारत स्थिति विस्तार, भौतिक संरचना, जलवायु, मृदा, प्राकृतिक वनस्पति, जीवजन्तु, खनिज एवं उद्योग शक्ति संसाधन प्रमुख फसले, परिवहन के साधन, जनसंख्या व उसका वितरण।
- समस्त महाद्वीप अक्षांशीय व देशान्तरीय विस्तार धरातलीय संरचना, जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, जीवजन्तु, खनिज एवं उद्योग शक्ति संसाधन, प्रमुख फसले, परिवहन के साधन, प्रमुख देशा पर्यावरण प्रदूषण के कारण व उपाय, औदयोगिक अपशिष्ट व उसका प्रबंधन, आपदा प्रबंधन

• अर्थशास्त्र

आर्यकि विकास, भारत के समक्ष आर्थिक चुनौतियाँ आर्थिक प्रणाली एवं वैश्वीकरण मुद्रा एवं वित्तीय प्रणाली ।

पंचवर्षीय योजनाएँ एवं भारत का कृषि विकास। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, खाद्यान्न सुरक्षा सेवा क्षेत्र, उपभोक्ता संरक्षण।

- (व) शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-
- सामाजिक विज्ञान की प्रकृति एवं अवधारणा
- कक्षागत प्रक्रियाएँ गतिविधियों एवं परिचर्चा।
- विवेचनात्मक चिंतन प्रक्रिया का विकास।

मुख्य भाषा हिन्दी (Hindi)	120 प्रश्न

(अ) भाषायी समझ / अवबोध-

1. वाक्य बोध/ भाषा बोध-
   - विराम चिन्ह और उनका अनुप्रयोग
   - वाक्य रचना शुद्ध वाक्य रचना, वाक्य परिवर्तन वाक्य के प्रकार (रचना, अर्थ, वाच्य के आधार पर), वाक्य बोध।
   - मुहावरे लोकोक्तियां और उनका वाक्यों में प्रयोग बोली, विभाषा, मातृभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा
2. काव्य बोध-
   - काव्य परिभाषा, काव्य भेद (प्रबंधकाव्य. मुक्तककाव्य), काव्य गुण
   - शब्द शक्ति
   - छंद- मात्रिक छंद, वर्णिक छंद, कुण्डलिया, घनाक्षरी, मन्दाक्रांता, छप्पय, कवित्त, सवैया (मत्तगयंद दुर्मिल)
   - अलंकार- यमक, श्लेष, व्याजस्तुति, ब्याजनिन्दा, विभावना, विशेषोक्ति, भ्रांतिमान, संदेह, विरोधाभास, अपहृती।
   - रस परिचय, अंग, रसभेद ।
3. अपठित बोध-

   गद्यांश/पद्यांश (शीर्षक, व्याख्या, सारांश)
4. निबंध लेखन-

   सामाजिक, सांस्कृतिक, समसामयिक समस्याओं, विचारात्मक, भावात्मक, ललित विषयों पर निबंध लेखन।
5. पत्र लेखन-

   औपचारिक, अनौपचारिक, सामयिक समस्याओं के समाधान हेतु एवं सम्पादक के नाम पत्र
6. हिन्दी साहित्य-

   हिन्दी काव्य (पद्य) और उसका विकास

   -पद्य साहित्य का विकास आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल का सामान्य परिचय सहित कवियाँ का साहित्यिक परिचय (रचनाएं, काव्यगत विशेषताएं, भावपक्ष, कलापक्ष)

   - आधुनिक काल की प्रमुख प्रवृत्तियां छायावाद, रहस्यवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नईकविता का सामान्य परिचय सहित कवियों का साहित्यिक परिचय (रचनाएं, काव्यगत विशेषताएं, भावपक्ष, कलापक्ष)
7. हिन्दी गदय और उसका विकास
   - गद्य साहित्य की विविध विधाएं (निबंध, नाटक, कहानी) और उनका सामान्य परिचय लेखक परिचय (रचनाएं, भाषाशैली)

   ((ब) भाषायी विकास हेतु निर्धारित शिक्षा शास्त्र
   - भाषा सीखना और ग्रहणशीलता
   - भाषा शिक्षण के सिद्धान्त
   - भाषा शिक्षण में सुनने, बोलने की भूमिका, भाषा के कार्य, बच्चे भाषा का प्रयोग कैसे करते हैं • मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति अन्तर्गत भाषा सीखने में व्याकरण की भूमिका
   - भाषा शिक्षण में विभिन्न स्तरों के बच्चों की चुनौतियाँ, कठिनाइयां त्रुटियां एवं क्रमबद्धता
   - भाषा के चारों कौशल (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना) का मूल्यांकन
   - कक्षा में शिक्षण अधिगम सामग्री पाठ्यपुस्तक, दूरसंचार (दृश्य एवं श्रव्य सामग्री, बहुकक्षा स्रोत, पुनः शिक्षण

मुख्य भाषा अंग्रेजी Main Language English	120 Questions

A) Understanding of Language

1. Reading Comprehension
   - Two passages (Factual+ Literary/Discursive) of 200 words each followed by short answer type questions.
   - A poem of about 15 lines followed by short questions related to figures of speech, forms of poetry.
   - Interpret tabular and diagrammatic presentation of information.

2. Vocabulary

- One word substitution
  - Opposites
  - Synonyms
  - phrases
  - idioms/proverbs
  - word formation

3. Functional Grammar:
   1. Tenses
   2. Modals
   3. Determiners
   4. Articles
   5. Voices
   6. Narration
   7. Prepositions
   8. Clauses
   9. Transformation of sentences

4. Writing
   - A factual description (in about 40-50 words) of any event or incident e.g. a report or a process based on given input/advertisements and notices/designing or drafting posters.
   - Essay.
   - Writing letter/application based on given inputs. Letter types include:
     1. business or official letters
     2. letters to editors
     3. personal/informal letters
     4. application for a job

B) Pedagogy of Language Development

B.1 – Learning and acquisition - Need for Learning English - Objectives of teaching English - Qualities of a good language teacher - Methods and approaches (Grammar translation, Direct, bilingual, communicative, structural, integrated)

B.2 – Language skills - Listening, Speaking, Reading and Writing skills - Importance of listening and reading - Importance of speaking and writing

B.3 – Perspective and role of grammar in language learning - Parts of Speech - Punctuation marks - Framing questions - Vocabulary and word formation (synonym and antonym, homophones, one word substitution, changing word category).

B.4 – Challenges of teaching language - Planning and implementation (Teaching of Prose, grammar, composition, poetry)

B.5 – Evaluation - learning enhancement programme - Active learning Methodology - CCE - Remedial teaching

B.6 – Teaching learning materials - Textbook preparing exercises based on the textbooks - Multimedia materials (charts, flash cards, models, news paper cuttings, CD, Radio, Tape recorder)

मुख्य भाषा संस्कृत (Sanskrit)	120 प्रश्न

(अ) भाषायी समझ / अवबोध

1. व्याकरण

(क) शब्द रूप- राम, कवि, भानृ, लता, पितृ, नदी, वधू, मातृ, फल, वारि, आत्मन् ।
सर्व, तद, एतद् यत् इदम् अस्मद् यूष्मदा

(ख) धातु रूप- लट्, लृ, लोट्, लड., एवं विधिलिड. (पांच लकार)

(का) परस्मैपद (ख) आत्मनेपद

(ग) सन्धि- संधि और उसके प्रकार स्वर सचि व्यजंन संधि, विसर्ग संधि एवं उनके भेद, संधि विच्छेद एवं संधि यूक्त पद बनाना।
(घ) समास- समास की परिभाषा, भेद, समास विग्रह, सामासिक पद ।
(ड) प्रत्यय- कृत प्रत्यय- (क्त्वा, ल्यप, तूमून्, क्त, क्तवत् शतृ, शानच् तव्यत्अनीयर)।
(च) तदित प्रत्यय- अण, ढक् मतूप् इत् तल, ठकास्त्री प्रत्यय- टापू, डीप
(छ) अव्यय -- पूनः, अपि, पूरा, अधूना, हयः श्वः, अदय, अधूना, कूत्र, यत्र,तत्र,सर्वत्र, यदा कदा,सर्वदा, उपरि, यथा, तथा अपि
2. संस्कृत निबंध लेखन एवं अनौपचारिक पत्र एवं प्रार्थना पत्र लेखन ।
3. (क) वेद, वेदाग, पूराण, उपनिषद् का सामान्य परिचय।
(ख) रामायण एवं महाभारत का सामान्य परिचय।
4. संस्कृत के प्रतिनिधि काव्यों का परिचय (भास, कालिदास, शूद्रक एवं भवभूति की कृतियों कापरिचयात्मक ज्ञान)
5. कारक एवं विभक्तियों का सामान्य परिचय।
6. हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनूवाद करना।
7. संस्कृत अपठित गद्य एवं अपठित पद्य का हिन्दी अनूवाद एवं पाठ्यांश पर आधारित विविध प्रकार के प्रश्न एक वाक्य में उत्तर, पूर्ण वाक्य में उत्तर, विशेषणविशेष्य अन्विति/पर्याय/ विलोम शब्द ।
(ब) भाषायी विकास हेतू निर्धारित शिक्षाशास्त्र

- आषा सीखना और ग्रहणशीलता।
- भाषा शिक्षण के सिद्धान्त।
- भाषा शिक्षण में सूनने, बोलने की भूमिका, भाषा के कार्य, बच्चे भाषा का प्रयोग कैसे करते हैं।
- मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति अन्तर्गत भाषा सीखने में व्याकरण की भूमिका।
- भाषा शिक्षण में विभिन्न स्तरों के बच्चों की चूनौतियाँ, कठिनाइयां, त्रूटियां एवं क्रमबद्धता ।
- भाषा के चारों कौशल (सूनना, बोलना, पढ़ना, लिखना) का मूल्यांकन
- कक्षा में शिक्षण अधिगम सामग्री पाठ्यपूस्तक, दूरसंचार (दृश्य एवं श्रव्य) सामग्री, बहूकक्षा सोत
- मूल्यांकन, निदानात्मक परीक्षण एवं उपचारात्मक शिक्षण।

मुख्य भाषा उर्दू (Urdu)	120 प्रश्न

1. भाषायी समझ
   - गद्य (नसर) की विधाएं
   - मकतूब निगारी, दास्तान, अदबी तारीख, मूखतसिर अफसानें, रिपोरताज, इन्शाईया, तन्जो - मजाह, सफ़र नामा, खाका।
   - मूआविन मूताला- यादें, आपबीती मजमून, कहावतें
2. पद्य (नज्में)
   - गजले (मसनवी, कसीदा, मरसिया नज्मे रुबाई
     तवील नज्मे अली सरदार जाफरी की वक़्त का तराना
3. व्याकरण (कवायद)

हरूफ शमसी, हरूफ कमरी, हरकात व सकनात,रमूज औकाफ, साबके लाहके, सिफत, तजाद, तजाहूले आरिफ़ाना, हरके अतफ मजाज मूरसिल, कहावते, मूहावरे वाक्य में प्रयोग, तजनीस (ताम, जायद नाकिस) कनाया, लफ व नशर ।

4. निबंध लेखन (मजमून)
5. पत्र / प्रार्थना पत्र (खत व दरख्वास्त)
6. गैर दरसी इकतिवास (अपठित) की तशरीह व उस पर आधारित प्रश्न
7. उर्दू साहित्य का इतिहास (गद्य व पद्य का विकास)

भाषायी विकास हेतू निर्धारित शिक्षाशास्त्र व पढ़ाने के तरीकों पर प्रश्न

- उर्दू शिक्षण की आवश्यकता व उद्देश्य
- अच्छे उर्दू शिक्षक की विशेषताएं
- भाषा शिक्षण के सिद्धांत
- तरीका-ए-तदरीस, नम्र व नज्म की विभिन्न विधाओं का (असनाफ़) शिक्षण
- ए उर्दू सीखना और समझना (सूनना, बोलना, पढ़ना लिखना चारों महारते
- उर्दू भाषा की चारों महारतों का मूल्यांकन

- भाषा शिक्षण में सुनने और बोलने की अहमियत, बच्चों के ज़रिए उर्दू भाषा का प्रयोग
- ज़बानी और तहरीरी (लेखन) में कवायद का इस्तेमाल
- क्लासरूम में तालीमी इस्तेदाद वाले बच्चों को जबान सिखाने में आने वाल
- मुश्किलात दूर करके गलतियों को चुनौती की तरह लेकर पढ़ना सिखाना
- क्लास में किताब, अमदादी अशिया, मल्टीमीडिया मटेरियल समई-बसरी आलात व विभिन् स्तर व कक्षा के बच्चों को पढ़ाना
- खुसीसी तदरीस (विशेष पुनः शिक्षण)
- कवायद (ग्रामर) :- इस्म, जमीर, जमीर की किस्में, फेअल फेअल की अकसाम, जिस, जम जुमला सिफत, तज़ाद, साविका, लाहेका, वाहिद जमा मुजक्कर, मोअन्नस, मुहावरे ब लाज़िम मुतअददी, मारूफ मजहूल गजल, कतआ, रुबाई, मसनवी, नज़्म, तशबीह, तल इस्तिआरा, सनअते तजाद मतला, मकता, रदीफ़, काफिया वगैरा।
- गैर दस इक्तिबास
- दरख्वास्त और खुतूत नवीसी मजमून नवीसी ।

परिशिष्ट 1
माध्यमिक शिक्षक
विषयों की सूची

विषय	विवरण
गणित,	गणित विषय अंतर्गत अभ्यर्थी को गणित अथवा भौतिक शास्त्र अथवा इंजीनियरिंग विषयों के साथ स्नातक उपाधि धारित करना अनिवार्य होगा।
विज्ञान	विज्ञान विषय अंतर्गत रसायन शास्त्र, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, माइक्रो बॉयलॉजी, बायो टेक्नालॉजी, बायो इंफर्मेटिक्स में से किन्ही दो विषयों के साथ स्नातक उपाधि धारित करना
सामाजिक विज्ञान,	सामाजिक विज्ञान विषय अंतर्गत इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल, समाजशास्त्र एवं वाणिज्य विषय में से किसी एक विषय के साथ स्नातक उपाधि धारित करना अनिवार्य होगा।
हिन्दी,	हिन्दी, के अभ्यर्थी को स्नातक स्तर पर हिन्दी विषय को मुख्य विषय के रूप में तीनों वर्ष अध्ययन करना अनिवार्य होगा।
अंग्रेजी,	अंग्रेजी, के अभ्यर्थी को स्नातक स्तर पर अंग्रेजी विषय को मुख्य विषय के रूप में तीनों वर्ष अध्ययन करना अनिवार्य होगा।
संस्कृत,	संस्कृत, के अभ्यर्थी को स्नातक स्तर पर संस्कृत विषय को मुख्य विषय के रूप में तीनों वर्ष अध्ययन करना अनिवार्य होगा।
उर्दू	उर्दू, के अभ्यर्थी को स्नातक स्तर पर उर्दू विषय को मुख्य विषय के रूप में तीनों वर्ष अध्ययन करना अनिवार्य होगा।

नोट –स्नातक उपाधि, निर्धारित प्रतिशत के साथ नियम में उल्लेखित प्रावधान अनुसार धारित करना अनिवार्य होगा।

(अभय वर्मा)
आयुक्त
लोक शिक्षण, म.प्र

अध्याय - 1(2)

मध्यप्रदेश शासन, स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत

माध्यमिक शिक्षक खेल - पद कोड 02

पात्रता परीक्षा संबंधी नियम

माध्यमिक शिक्षक खेल

मध्यप्रदेश राज्य स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षणिक संवर्ग) सेवा शर्तें एवं भर्ती नियम, 2018 एवं समय समय पर जारी संशोधनों/नियम निर्देशों के अनुसार पात्रता परीक्षा निम्न शर्तों के अधीन आयोजित होगी :-

1. पद का विवरण - माध्यमिक शिक्षक खेल
2. पद की श्रेणी - तृतीय श्रेणी (अराजपत्रित)
3. आवेदन पत्र / निर्देश पुस्तिका- मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल एवं विभाग के निर्देशानुसार होगा।
4. परीक्षा केन्द्र - मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल के निर्देशानुसार होगा।
5. शैक्षणिक योग्यता :-

- शारीरिक शिक्षा में 50% अंको के साथ स्नातक (बी.पी.एड./ बी.पी.ई.) अथवा उसके समकक्ष

नोटः आरक्षित वर्गों जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को शैक्षणिक योग्यता के अर्हताकारी अंकों में 5 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी।

6. शिक्षक पात्रता परीक्षा में अर्ह होने के लिये प्रवर्गवार न्यूनतम अंकों का प्रतिशत निम्नलिखित अनुसार होगा-

पदनाम	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ दिव्यांग व्यक्ति/ आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग	अन्य
माध्यमिक शिक्षक खेल	50%	60%

7. स्पष्टीकरण -

- अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछडा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थी जो मध्यप्रदेश के मूल निवासी हों, केवल उन्हें न्यूनतम 50 प्रतिशत अर्हकारी अंक का लाभ तब मिलेगा, जब उनके पास मध्यप्रदेश के सक्षम अधिकारी द्वारा जारी वैध प्रमाणपत्र उपलब्ध होगा। अन्य राज्य के आवेदकों के लिए न्यूनतम अर्हकारी अंक 60 प्रतिशत होंगे।
- दिव्यांगजन आवेदकों के लिए न्यूनतम अर्हकारी अंक 50 प्रतिशत होंगे।
- शिक्षक पात्रता परीक्षा में अर्हकारी अंक प्राप्त करने मात्र से नियुक्ति हेतु कोई दावा नहीं किया जा सकेगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित नियुक्ति की अन्य समस्त शर्तें पूर्ण करने पर ही नियुक्ति की कार्यवाही की जायेगी।
- शिक्षक पात्रता परीक्षा की वैधता आजीवन रहेगी।
- शिक्षकों के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु विभाग द्वारा विज्ञापन जारी कर शिक्षक चयन परीक्षा आयोजित की जाएगी | शिक्षक पात्रता परीक्षा में अर्ह अभ्यर्थियों को शिक्षक चयन परीक्षा में सम्मिलित होना होगा | नियुक्ति के लिए विज्ञापन एवं प्रक्रिया राज्य शासन के कार्यपालिक आदेश द्वारा विर्निदिष्ट की जाएगी।
- शिक्षक पात्रता परीक्षा में भाग लेने वाले आवेदक जो निर्धारित शैक्षणिक/व्यावसायिक योग्यता अर्जित करने के अंतिम वर्ष में है, वे भी पात्रता परीक्षा में बैठने हेतु मान्य होंगे| शैक्षणिक योग्यता संबंधी अर्हता अर्जन

की संदर्भ तिथि नियुक्ति के लिए विभाग द्वारा जारी किये जाने वाले शिक्षक चयन परीक्षा के विज्ञापन की तिथि होगी अर्थात् उस तिथि को अभ्यर्थी द्वारा परीक्षा अंक सूची / उपाधि धारित किया जाना अनिवार्य होगा । किन्तु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास शैक्षणिक योग्यता नहीं है अथवा जो निर्धारित शैक्षणिक / व्यावसायिक योग्यता अर्जित करने के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत नहीं है उन्हें पात्रता परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी | ऐसे अभ्यर्थी जो पात्रता परीक्षा में गलत जानकारी देकर सम्मिलित होंगे, उनकी अभ्यर्थिता नियुक्ति हेतु अमान्य की जाएगी |

- ऐसे अभ्यर्थी जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर प्रवर्ग अथवा दिव्यांग श्रेणी के है किन्तु उनके पास मध्य प्रदेश के सक्षम अधिकारी द्वारा जारी वैध प्रमाणपत्र नही है तो उन्हें पात्रता परीक्षा में अनारक्षित प्रवर्ग के लिए निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त करने पर ही शिक्षक चयन परीक्षा में अनारक्षित प्रवर्ग में अभ्यर्थिता मान्य की जाएगी | ऐसे अभ्यर्थी जो पात्रता परीक्षा में गलत जानकारी देकर सम्मिलित होंगे, उनकी अभ्यर्थिता नियुक्ति हेतु अमान्य की जाएगी |
- विभाग द्वारा भर्ती के लिए जारी विज्ञापन के समय प्रचलित नियमों के अनुरूप भर्ती की कार्यवाही की जाएगी।
- शिक्षक पात्रता परीक्षा में भाग लेने हेतु अभ्यर्थी को 1 जनवरी 2023 को 21 वर्ष की आयु पूर्ण करना होगी| विभागों द्वारा भर्ती के समय अधिकतम आयु की गणना सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों एवं विभागीय भर्ती नियमों के अनुरूप की जाएगी।

8. परीक्षा की योजना एवं पाठ्यक्रम पृथक से संलग्न है।

9. पदों का वेतन

पदों का विवरण	वेतन
माध्यमिक शिक्षक खेल	न्यूनतम वेतन रुपये 32800+ महगाई भत्ता । भर्ती नियम 2018 के नियम 13 के अनुसार परिवीक्षा अवधि में वेतन देय होगा।

10. म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा विभाग के पत्र क्र. एफ1-179/2018/20-1 भोपाल दिनांक 3.1.2020 अनुसार विभाग द्वारा प्रशासकीय अनुमोदन से यह निर्णय लिया गया है कि शिक्षक पात्रता परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों से विभाग स्तर पर होने वाले व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए अनारक्षित अभ्यर्थियों से रूपये 100/ एवं आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों से रूपये 50/- कर्मचारी चयन मंडल द्वारा प्राप्त किये जाये एवं इस राशि को स्कूल शिक्षा विभाग को स्थानांतरित किया जावेगा।

आयुक्त
लोक शिक्षण

परीक्षा की योजना एवं पाठ्यक्रम - माध्यमिक शिक्षक खेल

1- परीक्षा योजना (Scheme of Exam)

2- पात्रता परीक्षा हेतु 150 अंकों का एक प्रश्नपत्र होगा। परीक्षा की अवधि 02:30 घंटे होगी।

3- प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। ऋणात्मक मूल्यांकन होगा। प्रति 4 प्रश्नों के गलत उत्तर पर 1 अंक काटा जाएगा।

4- पात्रता परीक्षा के सभी प्रश्न बहुविकल्पीय (MCQ) प्रकार के होंगे, जिनके चार विकल्प होंगे एकविकल्प सही होगा।

परीक्षा की संरचना एवं विषयवस्तु (Structure and Content) निम्नानुसार होगी-

भाग	विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक
(i)	बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र (Child Development & Pedagogy)- Compulsory	15 MCQ	15 Marks
(ii)	भाषा-1 (Language-I) (हिन्दी, Hindi / संस्कृत Sanskrit में से कोई एक)	10 MCQ	10 Marks
(iii)	भाषा-2 (Language-II) अंग्रेजी English	5 MCQ	5 Marks
(iv)	शारीरिक शिक्षा	120 MCQ	120 Marks

प्रश्नों की प्रकृति एवं स्तर (Nature and Standard of Questions) निम्नानुसार होगा-

(i) बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र के प्रश्न 11-14 वर्ष आयु समूह के शिक्षण एवं सीखने के शैक्षिक मनोविज्ञान पर आधारित होंगे, जो विशिष्टताओं की समझ, आवश्यकता, विभिन्न प्रकार के शिक्षार्थीयों का मनोविज्ञान, शिक्षार्थी के साथ संवाद और सिखाने हेतु अच्छे फैसिलिटेटर की विशेषताएं एवं गुणों पर आधारित होंगे।

(ii) भाषा-1 के प्रश्न आवेदन पत्र में चुनी गई भाषा के माध्यम में प्रवाहिता (Proficiency) पर आधारित होगे।

(iii) भाषा-2, के प्रश्न भाषा के तत्व, संप्रेषण और समझने की क्षमताओं पर आधारित होंगे।

(iv) विषय ज्ञान से संबंधित प्रश्न विषय की अवधारणा, इत्यादि की समझ पर आधारित होगे।

उक्त का विस्तृत पाठ्यक्रम निम्नानुसार है-

विस्तृत पाठ्यक्रम

(अ) बाल विकास 15 प्रश्न

- बाल विकास की अवधारणा एवं इसका अधिगम से संबंध ।
- विकास और विकास को प्रभावित करने वाले कारक ।
- बाल विकास के सिद्धांत।
- बालक का मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यवहार संबंधी समस्याएं।
- वंशानुक्रम एवं वातावरण का प्रभाव।
- समाजीकरण प्रक्रियाएं सामाजिक जगत एवं बच्चे (शिक्षक, अभिभावक, साथी)
- पियाजे, पावलव, कोहलर और थार्नडाइकः रचना एवं आलोचनात्मक स्वरूप।
- बाल केन्द्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा ।
- बुद्धि की रचना का आलोचनात्मक स्वरूप और उसका मापन, बहुआयामी बुद्धि।
- व्यक्तित्व और उसका मापन।
- भाषा और विचार।
- सामाजिक निर्माण के रूप में जेंडर, जेंडर की भूमिका, लिंगभेद और शैक्षिक प्रथाएं।
- अधिगम कर्ताओं में व्यक्तिगत भिन्नताएं, भाषा, जाति, लिंग, संप्रदाय, धर्म आदि की विषमताओं पर आधारित भिन्नताओं की समझ ।
- अधिगम के लिए आंकलन और अधिगम का आंकलन में अंतर, शाला आधारित आंकलन, सतत एवं समग्र मूल्यांकनः स्वरुप और प्रथाएं (मान्यताएं)

(ब) समावेशित शिक्षा की अवधारणा एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की समझ

- अलाभान्वित एवं वंचित वर्गों सहित विविध पृष्ठभूमियों के अधिगमकर्ताओं की पहचान ।
- अधिगम कठिनाइयों, 'क्षति' आदि से ग्रस्त बच्चों की आवश्यकताओं की पहचान ।
- प्रतिभावान, सृजनात्मक, विशेष क्षमता वाले अधिगतकर्त्ताओं की पहचान।
- समस्याग्रस्त बालकः पहचान एवं निदानात्मक पक्ष ।

बाल अपराधः कारण एवं प्रकार

(स) अधिगम और शिक्षा शास्त्र (पेडागाजी)

बच्चे कैसे सोचते और सीखते हैं, बच्चे शाला प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में क्यों और कैसे असफल होते हैं।

- शिक्षण और अधिगम की मूलभूत प्रक्रियाए, बच्चों के अधिगम की रणनीतियों, अधिगम एक सामाजिक प्रक्रिया के रूप में, अधिगम का सामाजिक संदर्भ।
- समस्या समाधानकत्ती और वैज्ञानिक- अन्वेषक के रूप में बच्चा। बच्चों में अधिगम की वैकल्पिक धारणाएं, बच्चों की त्रुटियों को अधिगम प्रक्रिया में सार्थक कड़ी के रूप में समझना। अधिगम को प्रभावित करने वाले कारकः अवधान और रूचि ।
- संज्ञान और संवेग
- अभिप्रेरणा और अधिगम
- अधिगम में योगदान देने वाले कारक व्यक्तिगत और पर्यावरणीय
- निर्देशन एवं परामर्श
- अभिक्षमता और उसका मापन) स्मृति और विस्मृति

हिन्दी भाषा (Hindi Language) /संस्कृत(Sanskrit Language)	10 प्रश्न

भाषायी समझ अवबोध-

भाषायी समझ / अवबोध के लिए दो अपठित दिए जाएँ जिसमें एक गद्यांश (नाटक एकांकी / घटना/ निबंध / कहानी / आदि से) तथा दूसरा अपठित पद्य के रूप में हो इस अपठित में से समझ / अवबोध, व्याख्या, व्याकरण एवं मौखिक योग्यता से संबंधित प्रश्न किए जाएं। गद्यांश साहित्यिक/वैज्ञानिक/ सामाजिक समरसता/ तात्कालिक घटनाओं पर आधारित हो सकते हैं।

अंग्रेजी भाषा (English Language)	5 प्रश्न

1. Reading Comprehension
   - Two short passages followed by short answer type questions.
2. Vocabulary (Level-X standard)
   - One word substitution
   - Opposites
   - Synonyms phrases
   - idioms/proverbs
3. Functional Grammar: (Level-X standard)
   - Articles
   - Modals
   - Determiners
   - Noun/ Pronoun
   - Adjective/Adverb
   - Narration
   - Prepositions
   - Tenses
   - Transformation of sentences
   - Voices

शारीरिक शिक्षा	120 प्रश्न

1. शारीरिक शिक्षा का इतिहास -
   - शारीरिक शिक्षा का अर्थ,परिभाषा एवं क्षेत्र
   - शारीरिक शिक्षा के उद्देष्य
   - वर्तमान परिदृष्य में शारीरिक शिक्षा का महत्व।
   - शारीरिक शिक्षा एवं सामान्य शिक्षा के मध्य संबंध।

2) शारीरिक शिक्षा के सिद्वान्त -
   - शारीरिक शिक्षा की उन्नति एवं विकास।
   - आयु एवं लिंग विषेषताए।
   - मानवशास्त्री अन्तर।
   - सीखने के प्रकार एवं सिखने की अवस्था।

- सीखने के नियम एवं सिद्वान्त।
- समाज एवं संस्कृति।

3) एनाटॉमी एण्ड फिजियोलॉजी -
- शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में शरीर रचना और विज्ञान।
- कोशिका एवं ट्ष्यू का संक्षिप्त परिचय।
- कंकाल का परिचय, कंकाल में लिंग अंतर।
- मांसपेशीयों के प्रकार।
- रक्त और संचार प्रणाली, श्वसन प्रणाली, पाचन तंत्र,उत्सर्जन प्रणाली, अंतःस्त्रावी ग्रंथियॉ तंत्रिका तंत्र, इंद्रिय अंग।

4) शरीर क्रिया विज्ञान -
- शरीर क्रिया विज्ञान की परिभाषा और शारीरिक शिक्षा और खेल के क्षेत्र में इसका महत्व ।
- कंकाल की मांसपेशियों की संरचना, गुण और कार्य।
- पेशीय गतिविधि का तंत्रिका नियंत्रण -
  1. न्यूरोमस्कुलर जंक्षन।
  2. तंत्रिका आवेग का संचरण।
- मांसपेशियों की गतिविधि के लिए ईंधन एवं आक्सीजन की भूमिका।

5) ओलम्पिक आंदोलन की उत्पत्ति एवं ओलम्पिक खेल -
- ओलम्पिक आंदोलन का दर्शन।
- ओलम्पिक आंदोलन का प्रारंभिक इतिहास।
- आधुनिक ओलम्पिक आंदोलन के विकास में महत्तवपूर्ण चरण।
- ओलम्पिक आंदोलन के शैक्षिक और सांस्कृतिक मूल्य।
- ओलम्पिक आदर्षो, ओलंपिक रिंग, ओलंपिक ध्वज का महत्व।
- सदस्य देशों के लिए ओलम्पिक प्रोटोकॉल, ओलम्पिक आचार संहिता,ओलम्पिक मेंकार्यवाही।
- पैरा ओलम्पिक खेल, ग्रीष्म कॉलीन ओलम्पिक, शीतकालीन ओलम्पिक, युवा ओलम्पिक खेल।

6) खेल कोचिंग का परिचय -
- खेल कोचिंग की अवधारणा, महत्व एवं सिद्धांत।
- अधिकारी और कोच का प्रबंधन व खिलाड़ी और दर्शक के साथ संबंध।
- अंपायरिंग ओर कोचिंग के मानकों में सुधार के उपाय।
- सामान्य तौर पर खेल के दौरान और बाद कोच के कर्तव्य।
- कोचिंग का दर्शन ।
- मैदान के अंदर और बाहर एक कोच की जिम्मेदारियॉ।
- प्रतियोगिता और कोचिंग का मनोविज्ञान।
- कोच और अधिकारी की योग्यता।
- खेल और खेल के सामान्य नियम।

7) योग शिक्षा -
- योग का अर्थ और परिभाषा, योग के उद्देष्य।
- प्रारंभिक उपनिषदों में योग, योग सूत्र- सामान्य विचार।
- शारीरिक शिक्षा और खेलकूद में योग की आवष्यकता और महत्व।
- अष्टांग योग- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान।
- योग की भगवत गीता - कर्मयोग, राजयोग, जननना योग और भक्ति योग।
- आसन और प्राणायाम का शरीर की विभिन्न प्रणालियों पर प्रभाव।
- शारीरिक शिक्षा और खेलकूद के विषेष संदर्भ में आसनों का वर्गीकरण।
- शरीर की विभिन्न प्रणालियों पर आराम, ध्यान, मुद्रा का प्रभाव।
- बंध और मुद्रा के प्रकार।
- क्रिया के प्रकार।
- योग में बुनियादी, अनुप्रयुक्त और क्रियात्मक अनुसंधान।
- योगाभ्यास और शारीरिक व्यायाम के बीच अंतर।
- भारत और विदेषों में योग शिक्षा केन्द्र।
- योगासन प्रतिस्पर्धा।

8) शारीरिक शिक्षा में संगठन और प्रषासन

- शारीरिक शिक्षा में संगठन और प्रषासन का अर्थ और महत्व।
- शारीरिक शिक्षाशिक्षक और छात्र नेता की योग्यता और जिम्मेदारियॉ
- योजना और उनके मूल सिद्धांत।
- कार्यक्रम नियोजन,नियंत्रण, मूल्यांकन और नवाचार।

9) सुविधाए और समय -सारणी प्रबंधन-
- सुविधाए और उपकरण प्रबंधन - सुविधाओं के प्रकार इंफ्रास्ट्रक्चर (इनडोर,आउटडोर)।
- स्कूल भवन की देखभाल, व्यायाम शाला, स्विमिंगपूल, खेल के मैदान।
- उपकरण - आवश्यकता, महत्व, खरीद, देखभाल और रखरखाव।
- समय सारणी प्रबंधन - अर्थ, आवष्यकता, महत्व और समय-सारणी को प्रभावित करने वाले कारक।

10) प्रतियोगिता संगठन -
- टूर्नामेंट का महत्व।
- टूर्नामेंट के प्रकार और इसकी संगठन संरचना - नॉकआउट टूर्नामेंट, लीग या राउंड रॉबिन टूर्नामेंट, कॉम्बिनेषन टूर्नामेंट और चैलेंज टूर्नामेंट।
- एथलेटिक मीट की संगठनात्मक संरचना।
- स्पोर्टस इवेंट इंट्राम्यूरल और एक्स्ट्राम्यूरल टूर्नामेंट प्लानिंग।

11) व्यायाम कार्यक्रम के सिद्धांत -
- फिटनेस विकास के साधन - एरोबिक और एनारोबिक व्यायाम।
- विभिन्न एरोबिक व्यायाम तीव्रता के लिए व्यायाम और हदय गति क्षेत्र।
- फ्री वेट बनाम मशीन की अवधारणा।
- विभिन्न आयु वर्ग के लिए अलग- अलग फिटनेस प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने की अवधारणा।

12) सुरक्षा शिक्षा और स्वास्थ्य संवर्धन -
- दैनिक जीवन में स्वास्थ्य और सुरक्षा।
- प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन।
- देखभाल सामान्य चोटें और उनका प्रबंधन।
- आधुनिक जीवनशैली और हाइपो-काइनेटिक रोग, रोकथाम और प्रबंधन।

13) खेल पोषण का परिचय -
- खेल पोषण का अर्थ और परिभाषा, बुनियादी पोषण दिशा निर्देष, खेल में पोषण की भूमिका, पोषण योजना विकसित करने के लिए विचार करने योग्य कारक।
- पोषण तत्वः उर्जा चयापचय में अंतर्ग्रहण।
- वजन प्रबंधन का अर्थ आधुनिक युग में वजन प्रबंधन की अवधारणा।
- बी.एम.आई (बॉडी मास इंडेक्स) की अवधारणा।
- पोषण - दैनिक कैलोरी सेवन और व्यय।
- भारतीय स्कूली बच्चों के लिए संतुलित आहार, स्वास्थ्य जीवनशैली बनाए रखना।
- खेलने वाले बच्चे के लिए वजन प्रबंधन कार्यक्रम, वजन प्रबंधन में आहार और व्यायाम की भूमिका, वजन बढाने और घटाने के लिए डिजाइन आहार योजना और व्यायाम कार्यक्रम।

14) खेल प्रशिक्षण का परिचय-
- खेल प्रशिक्षण का अर्थ,परिभाषा, उद्देश्य एवं सिद्वांत।
- प्रशिक्षण घटक - शक्ति, गति,सहनशक्ति,समन्वय एवं लचीलापन ।
- प्रशिक्षण प्रक्रिया एवं तकनीकी प्रशिक्षण ।
- प्रशिक्षण प्रोग्रामिंग और योजना।

15) खेल चिकित्सा भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास
- खेल चिकित्सा - अर्थ, परिभाषा, उददेश्य, अवधारणाएॅ।
- एथलीटों की देखभाल और पुनर्वास।
- शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में खेल चोटों के अध्ययन की आवष्यकता और महत्व ।
- खेलकूद में चोटों की रोकथाम।
- प्राथमिक उपचार - उपचार, घाव, फफोले, चोट,खिचांव, मोच, फैक्चर।
- फिजियोथेरेपी, हाइड्रोथेरेपी एवं चिकित्सीय व्यायाम।

16) शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण और डोपिंग
- भारतीय युवा फिटनेस टेस्ट।
- नेशनल फिजिकल फिटनेस टेस्ट।
- इंडियाना मोटर फिटनेस टेस्ट।

- जेसीआर परीक्षण।
- अमेरिकी सेना शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण।
- विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी और राष्ट्रीय एंटी डोपिंग एजेंसी।

17) खेल कौशल परीक्षण -
- ईलॉकहार्ट और मैकफर्सन बैडमिंटन टेस्ट।
- जॉनसन बास्केटबॉल टेस्ट।
- मैकडॉनल्ड्स सॉकर टेस्ट।
- साई वॉलीबॉल टेस्ट।
- साई हॉकी टेस्ट।

18) खेल और खेल का सिद्धान्त

विशिष्ट खेल और खेलों का सामान्य परिचय-
- एथेलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, जिम्नास्टिक, हॉकी, हैडबॉल, कबडडी, खो- खो, टेबल टेनिस, वॉलीवॉल, योगा, तैराकी एवं जूडो।

19) खेल प्रबंधन
- खेल एवं खेल प्रबंधन की प्रकृति और अवधारणा।
- प्रबंधन का उद्देश्य और कार्यक्षेत्र।
- खेल प्रबंधन के आवश्यककौशल।
- खेल प्रबंधक के लिए आवश्यक योग्यताए और दक्षताए।
- शारीरिक शिक्षा और खेलकूद में इंवेट मैनेजमेंट।
- स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में खेल प्रबंधन।
- योजना को प्रभावित करने वाले कारक।
- स्कूल या कॉलेज के खेल कार्यक्रम की योजना बनाना।
- स्कूल या कॉलेज के खेल कार्यक्रम का निर्देशन।
- स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय के खेल कार्यक्रम को नियंत्रित करना।

आयुक्त
लोक शिक्षण

अध्याय - 1(3)

मध्यप्रदेश शासन, स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत

माध्यमिक शिक्षक संगीत - गायन वादन - पद कोड 03

पात्रता परीक्षा संबंधी नियम

माध्यमिक शिक्षक संगीत - गायन वादन

मध्यप्रदेश राज्य स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षणिक संवर्ग) सेवा शर्तें एवं भर्ती नियम, 2018 एवं समय समय पर जारी संशोधनों/नियम निर्देशों के अनुसार पात्रता परीक्षा निम्न शर्तों के अधीन आयोजित होगी :-

1. पद का विवरण- माध्यमिक शिक्षक संगीत - गायनवादन
2. पद की श्रेणी- तृतीय श्रेणी (अराजपत्रित)
3. आवेदन पत्र / निर्देश पुस्तिका- मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल एवं विभाग के निर्देशानुसार होगा।
4. परीक्षा केन्द्र - मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल के निर्देशानुसार होगा।
5. शैक्षणिक योग्यता :-

   i. मान्यता प्राप्त बोर्ड से कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ हायर सेकेण्डरी परीक्षा और मान्यता प्राप्त संस्थान से बी.म्यूज/एम.म्यूज/विद्/कोविद्/रत्न या बी.म्यूज के समकक्ष।

   नोटः आरक्षित वर्गों जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को शैक्षणिक योग्यता के अर्हताकारी अंकों में 5 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी।

6. शिक्षक पात्रता परीक्षा में अर्ह होने के लिये प्रवर्गवार न्यूनतम अंकों का प्रतिशत निम्नलिखित अनुसार होगा-

पदनाम	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ दिव्यांगजन / आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग	अन्य
माध्यमिक शिक्षक संगीत - गायन वादन	50%	60%

7. स्पष्टीकरण-

- अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछडा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थी जो मध्यप्रदेश के मूल निवासी हों, केवल उन्हें न्यूनतम 50 प्रतिशत अर्हकारी अंक का लाभ तब मिलेगा जब उनके पास मध्यप्रदेश के सक्षम अधिकारी द्वारा जारी वैध प्रमाणपत्र उपलब्ध होगा। अन्य राज्य के आवेदकों के लिए न्यूनतम अर्हकारी अंक 60 प्रतिशत होंगे।
- दिव्यांगजन आवेदकों के लिए न्यूनतम अर्हकारी अंक 50 प्रतिशत होंगे।
- शिक्षक पात्रता परीक्षा में अर्हकारी अंक प्राप्त करने मात्र से नियुक्ति हेतु कोई दावा नहीं किया जा सकेगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित नियुक्ति की अन्य समस्त शर्तें पूर्ण करने पर ही नियुक्ति की कार्यवाही की जायेगी।
- शिक्षक पात्रता परीक्षा की वैधता आजीवन रहेगी।
- शिक्षकों के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु विभाग द्वारा विज्ञापन जारी कर शिक्षक चयन परीक्षा आयोजित की जाएगी | शिक्षक पात्रता परीक्षा में अर्ह अभ्यर्थियों को शिक्षक चयन परीक्षा में सम्मिलित होना होगा | नियुक्ति के लिए विज्ञापन एवं प्रक्रिया राज्य शासन के कार्यपालिक आदेश द्वारा विर्निदिष्ट की जाएगी।

- शिक्षक पात्रता परीक्षा में भाग लेने वाले आवेदक जो निर्धारित शैक्षणिक/व्यावसायिक योग्यता अर्जित करने के अंतिम वर्ष में है, वे भी पात्रता परीक्षा में बैठने हेतु मान्य होंगे| शैक्षणिक योग्यता संबंधी अर्हता अर्जन की संदर्भ तिथि नियुक्ति के लिए विभाग द्वारा जारी किये जाने वाले शिक्षक चयन परीक्षा के विज्ञापन की तिथि होगी अर्थात् उस तिथि को अभ्यर्थी द्वारा परीक्षा अंक सूची / उपाधि धारित किया जाना अनिवार्य होगा । किन्तु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास शैक्षणिक योग्यता नहीं है अथवा जो निर्धारित शैक्षणिक /व्यावसायिक योग्यता अर्जित करने के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत नहीं है उन्हें पात्रता परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी | ऐसे अभ्यर्थी जो पात्रता परीक्षा में गलत जानकारी देकर सम्मिलित होंगे, उनकी अभ्यर्थिता नियुक्ति हेतु अमान्य की जाएगी |
- ऐसे अभ्यर्थी जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर प्रवर्ग अथवा दिव्यांग श्रेणी के है किन्तु उनके पास मध्यप्रदेश के सक्षम अधिकारी द्वारा जारी वैध प्रमाणपत्र नही है तो उन्हें पात्रता परीक्षा में अनारक्षित प्रवर्ग के लिए निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त करने पर ही शिक्षक चयन परीक्षा में अनारक्षित प्रवर्ग में अभ्यर्थिता मान्य की जाएगी | ऐसे अभ्यर्थी जो पात्रता परीक्षा में गलत जानकारी देकर सम्मिलित होंगे, उनकी अभ्यर्थिता नियुक्ति हेतु अमान्य की जाएगी |
- विभाग द्वारा भर्ती के लिए जारी विज्ञापन के समय प्रचलित नियमों के अनुरूप भर्ती की कार्यवाही की जाएगी।
- शिक्षक पात्रता परीक्षा में भाग लेने हेतु अभ्यर्थी को 1 जनवरी 2023 को 21 वर्ष की आयु पूर्ण करना होगी| विभागों द्वारा भर्ती के समय अधिकतम आयु की गणना सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों एवं विभागीय भर्ती नियमों के अनुरूप की जाएगी।

8. परीक्षा की योजना एवं पाठ्यक्रम पृथक से संलग्न है।

9. पदों का वेतन

पदों का विवरण	वेतन
माध्यमिक शिक्षक संगीत - गायन वादन	न्यूनतम वेतन रुपये 32800+ महगाई भत्ता । भर्ती नियम 2018 के नियम 13 के अनुसार परिवीक्षा अवधि में वेतन देय होगा।

10. म.प्र. शासन स्कूल शिक्षाविभाग के पत्र क्र. एफ1-179/2018/20-1 भोपाल दिनांक 3.1.2020 अनुसार विभाग द्वारा प्रशासकीय अनुमोदन से यह निर्णय लिया गया है कि शिक्षक पात्रता परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों से विभाग स्तर पर होने वाले व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए अनारक्षित अभ्यर्थियों से रूपये 100/ एवं आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों से रूपये 50/- कर्मचारी चयन मंडल द्वारा प्राप्त किये जाये एवं इस राशि को स्कूल शिक्षा विभाग को स्थानांतरित किया जावेगा।

आयुक्त
लोक शिक्षण

परीक्षा की योजना एवं पाठ्यक्रम- माध्यमिक शिक्षक संगीत - गायन वादन

1- परीक्षा योजना (Scheme of Exam)

2- पात्रता परीक्षा हेतु 150 अंकों का एक प्रश्नपत्र होगा। परीक्षा की अवधि 2.30 घंटे होगी।

3- प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। ऋणात्मक मूल्यांकन होगा। प्रति 4 प्रश्नों के गलत उत्तर पर 1 अंक काटा जाएगा।

4- पात्रता परीक्षा के सभी प्रश्न बहुविकल्पीय (MCQ) प्रकार के होंगे, जिनके चार विकल्प होंगे एक विकल्प सही होगा।

परीक्षा की संरचना एवं विषयवस्तु (Structure and Content) निम्नानुसार होगी-

भाग	विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक
(i)	बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र (Child Development & Pedagogy)- Compulsory	15 MCQ	15 Marks
(ii)	भाषा-1 (Language-I) (हिन्दी, Hindi / संस्कृत Sanskrit में से कोई एक)	10 MCQ	10 Marks
(iii)	भाषा-2 (Language-II) अंग्रेजी English	5 MCQ	5 Marks
(iv)	गायन वादन	120 MCQ	120 Marks

प्रश्नों की प्रकृति एवं स्तर (Nature and Standard of Questions) निम्नानुसार होगा-

(i) बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र के प्रश्न 6-14 वर्ष आयु समूह के शिक्षण एवं सीखने के शैक्षिक मनोविज्ञान पर आधारित होंगे, जो विशिष्टताओं की समझ, आवश्यकता, विभिन्न प्रकार के शिक्षर्थियो का मनोविज्ञान, शिक्षार्थी के साथ संवाद और सिखाने हेतु अच्छे फैसिलिटेटर की विशेषताएं एवं गुणों पर आधारित होंगे।

(ii) भाषा-1 के प्रश्न आवेदन पत्र में चुनी गई भाषा के माध्यम में प्रवाहिता (Proficiency) पर आधारित होगे।

(iii) भाषा-2, के प्रश्न भाषा के तत्व, संप्रेषण और समझने की क्षमताओं पर आधारित होंगे।

(iv) विषय ज्ञान से संबंधित प्रश्न विषय की अवधारणा, इत्यादि की समझ पर आधारित होगे।

उक्त का विस्तृत पाठ्यक्रम निम्नानुसार है-

विस्तृत पाठ्यक्रम

(अ) बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र - 15 प्रश्न

- बाल विकास की अवधारणा एवं इसका अधिगम से संबंध ।
- विकास और विकास को प्रभावित करने वाले कारक ।
- बाल विकास के सिद्धांत।
- बालक का मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यवहार संबंधी समस्याएं।
- वंशानुक्रम एवं वातावरण का प्रभाव।
- समाजीकरण प्रक्रियाएं सामाजिक जगत एवं बच्चे (शिक्षक, अभिभावक, साथी)
- पियाजे, पावलव, कोहलर और थार्नडाइकः रचना एवं आलोचनात्मक स्वरूप।
- बाल केन्द्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा ।
- बुद्धि की रचना का आलोचनात्मक स्वरूप और उसका मापन, बहुआयामी बुद्धि।
- व्यक्तित्व और उसका मापन।
- भाषा और विचार।
- सामाजिक निर्माण के रूप में जेंडर, जेंडर की भूमिका, लिंगभेद और शैक्षिक प्रथाएं।
- अधिगम कर्ताओं में व्यक्तिगत भिन्नताएं, भाषा, जाति, लिंग, संप्रदाय, धर्म आदि की विषमताओं पर आधारित भिन्नताओं की समझ ।
- अधिगम के लिए आंकलन और अधिगम का आंकलन में अंतर, शाला आधारित आंकलन, सतत एवं समग्र मूल्यांकनः स्वरुप और प्रथाएं (मान्यताएं)

अधिगम और शिक्षा शास्त्र (पेडागाजी)

- बच्चे कैसे सोचते और सीखते हैं, बच्चे शाला प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में क्यों और कैसे असफल होते हैं।
- शिक्षण और अधिगम की मूलभूत प्रक्रियाए, बच्चों के अधिगम की रणनीतियों, अधिगम एक सामाजिक प्रक्रिया के रूप में, अधिगम का सामाजिक संदर्भ।
- समस्या समाधानकत्ती और वैज्ञानिक- अन्वेषक के रूप में बच्चा। बच्चों में अधिगम की वैकल्पिक धारणाएं, बच्चों की त्रुटियों को अधिगम प्रक्रिया में सार्थक कड़ी के रूप में समझना। अधिगम को प्रभावित करने वाले कारकः अवधान और रूचि ।
- संज्ञान और संवेग
- अभिप्रेरणा और अधिगम

- अधिगम में योगदान देने वाले कारक व्यक्तिगत और पर्यावरणीय
- निर्देशन एवं परामर्श
- अभिक्षमता और उसका मापन) स्मृति और विस्मृति समावेशित शिक्षा की अवधारणा एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की समझ
- अलाभान्वित एवं वंचित वर्गों सहित विविध पृष्ठभूमियों के अधिगमकर्ताओं की पहचान ।
- अधिगम कठिनाइयों, 'क्षति' आदि से ग्रस्त बच्चों की आवश्यकताओं की पहचान ।
- प्रतिभावान, सृजनात्मक, विशेष क्षमता वाले अधिगतकर्त्ताओं की पहचान।
- समस्याग्रस्त बालकः पहचान एवं निदानात्मक पक्ष ।

बाल अपराधः कारण एवं प्रकार

हिन्दी भाषा (Hindi Language) /संस्कृत (Sanskrit Language)	10 प्रश्न

भाषायी समझ अवबोध-

भाषायी समझ / अवबोध के लिए दो अपठित दिए जाएँ जिसमें एक गद्यांश (नाटक एकांकी / घटना/ निबंध / कहानी / आदि से) तथा दूसरा अपठित पद्य के रूप में हो इस अपठित में से समझ / अवबोध, व्याख्या, व्याकरण एवं मौखिक योग्यता से संबंधित प्रश्न किए जाएं। गद्यांश साहित्यिक/वैज्ञानिक/ सामाजिक समरसता/ तात्कालिक घटनाओं पर आधारित हो सकते हैं।

अंग्रेजी भाषा (English Language)	5 प्रश्न

1. Reading Comprehension
   - Two short passages followed by short answer type questions.
2. Vocabulary

   (Level-X standard)
   - One word substitution
   - Opposites
   - Synonyms phrases
   - idioms/proverbs
3. Functional Grammar:

   (Level-X standard)
   - Articles
   - Modals
   - Determiners
   - Noun/ Pronoun
   - Adjective/Adverb
   - Narration
   - Prepositions
   - Tenses
   - Transformation of sentences
   - Voices

गायन वादन	120 प्रश्न

1. वाद्ययंत्रों का साधारण ज्ञान।
2. वाद्य पर रागों में मध्य लय की रचना / गत का (स्थायी, अंतरा सहित) वादन।
3. वाद्य का संक्षिप्त परिचय एवं उसके विभिन्न अवयवों की जानकारी ।
4. विभिन्न रागों में मध्यलय रचना अथवा रजाखानी गत का भातखण्डे स्वरलिपि में लेखन।
   - दो रागों में विलम्बित ख्याल गायन। मसीतखानी गत का आलाप तानों एवं तोड़ो सहित
   - प्रत्येक राग मे मध्यलय रचना (ख्याल गायन), रजाखानी गत का आलाप एवं पॉच तानों एवं तोडों
   - राग में ध्रुपद (दुगनु और चौगुन सहित) एक तराना तथा एक भजन अथवा अपने वाद्य पर तीनताल से पृथक अन्य किसी ताल में मध्यलय की रचना
5. आकाशवाणी द्वारा मान्य वन्दे मातरम् तथा देशभक्ति गीत का स्वरलय में गायन।
6. मानों के प्रकार तान व तोडो की परिभाषा तथा तान एवं तोडो मे अंतर।
7. पूर्वराग, उत्तर राग, सन्धिप्रकाश एवं परमले प्रवेशक रागों की संक्षिप्त जानकारी।

8. पं. भातखण्डे स्वरलिपि तथा ताल लिपि एवं पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर जी की स्वरलिपि पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।
9. गायक अथवा वादक (तंत्री वादक/सुषिर वादक) के गुण दोषों का परिचय।
10. स्वामी हरिदास, राजा मानसिंह तोमर, संगीत सम्राट तानसेन तथा अमीर खुसरो का जीवन परिचय एवं उनका सांगीतिक योगदान।
11. निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय परिचय:- बिहाग, केदार, हमीर बागेश्री, भीमपलासी, जौनपरी, भैरवी एवं तोडी।
12. चौताल, तीव्रा, तिलवाडा, दीपचन्दी, झूमरा, आडाचौताल और धमार के ठेकों का ठाह, दुगुन एवं चौगुन लयों में ताललिपि में लिखना।
13. ध्वनि (सांगीतिक ध्वनि और शोर) नाद और उसके प्रकार, नाद की तीव्रता तारता गुण कालमान कंपन आवृत्ति कम्पविस्तार डोल उपस्वर।
14. सेमीटोन, माईनर टोन, मेजर टोन का परिचय।
15. डायटोनिक स्केल, नेचुरल स्केल, टेम्पर्ड स्केल का सामान्य अध्ययन।
16. हिन्दुस्तानी व कनार्टक सप्तकों का अध्ययन। ग्रह आदि दस राग लक्षणों का परिचय।
17. राग विस्तार में वादी, संवादी अनुवादी एवं विवादी अल्पत्व, बहुत्व एवं न्यास स्वरों का महत्व।
18. गमक के लक्षण एवं प्रकारों का अध्ययन।
19. भारतीय मतानुसार वाद्य वर्गीकरण का सामान्य परिचय। तानपुरा और वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये अपने-अपने वाद्य का संक्षिप्त ऐतहासिक अध्ययन।
20. सदारंग-अदारंग, गोपाल नायक, भास्कर बुआ बखले, उस्ताद अब्दुल करीम खॉ, बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खॉ, उस्ताद हाफिज अली खॉ, पं. राजा भैया पूछवाले का जीवन परिचय एवं उनका सांगीतिक योगदान।
21. पाठ्यक्रम के रागों में एक-एक विलम्बित गत अथवा एक मसीतखानी गत अथवा मध्यलय अथवा रजाखानी गत (आलाप तथा तानों / तोडों सहित)।
22. मींड, सूत (अनुलोम-विलोम) मुर्की, खटका, घसीट, जमजमा, कृन्तन, गमक, झाला, तोडो आर्विभाव, तिरोभाव की सामान्य जानकारी। गायन के संदर्भ में आलाप, नोम-तोम का आलाप तथा बोल आलाप एवं स्वर वाद्य के संदर्भ में आलाप, जोड़, झाला का अध्ययन। गायन-वादन में प्रचलित आलापचारी की जानकारी।
23. निम्नलिखित तालों को बोल एवं ताल चिन्ह के साथ ठाह, तिगुन और चौगुन में लेखन। तीनताल, एकताल चौताल, झपताल, धमार, सूलताल, रूपक, तीव्रा, तिलवाडा, दीपचन्दी, झूमरा एवं आडाचौताल।
24. संगीत से संबंधित विविध विषय
25. गधंर्व गान एवं मार्ग-देशी का सामान्य परिचय।
26. रागों मे एक-एक विलम्बित गत अथवा मसीतखानी गत (आलाप, तानों तोडो सहित) तथा एक मध्यलय अथवा रजाखानी गत (आलाप, तानों, तोडो सहित) का लेखन।
27. आड, कुआड एवं बिआड की परिभाषा व परिचय।

आयुक्त
लोक शिक्षण